>

Title : Regarding Strike by Railway Motormen and Loco Pilots in Mumbai Suburban Railway.

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): आप वहां खड़े हैं, मैं यहां से स्टेटमेंट कर दूं, ऐसा नहीं होता है। मैं आपसे यही रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि मैं उनसे बात करके आपको बता दूंगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री अनंत गीते जी, आप इस विषय पर बोलिये और उसके बाद माननीय मंत्री महोदय की तरफ से स्टेटमेंट का आश्वासन है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। कृपया शांत हो जाइये। मैंने आपको सुन लिया है। श्री अनंत गीते जी।

12.08 hrs.

At this stage, Shri Chandrakant Khaire and some other

Hon. Members went back to their seats

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): अध्यक्षा जी, शुक्रवार को आपने शून्य प्रहर में, यह जो मोटरमैन का इंडैफिनेट स्ट्राइक हुई है, इस पर बोलने की इजाजत दी थी। पिछले शुक्रवार को, सदन के सामने, सरकार को, आपके माध्यम से अवगत कराया था और आपने हमें बोलने की इजाजत दी थी। हमने नोटिस दिया था कि 3 मई को मुम्बई उपनगरीय रेल के मोटरमैन और अन्य कर्मचारी इंडैफिनेट हंगर-स्ट्राइक पर जाने वाले हैं। ...(व्यवधान) आपने हमें, शून्य प्रहर में, इसी सदन में, शुक्रवार को बोलने का अवसर दिया। हमने आपके माध्यम से, सरकार और रेल मंत्रालय से मांग की थी कि आप जो भी कामगार संगठन इस स्ट्राइक में भूख-हड़ताल पर है, उनसे वार्ता करें, क्योंकि मुम्बई की उपनगरीय रेल मुम्बई की जीवन-रेखा है। करीब 65 लाख यात्री रोजाना मुम्बई से यात्रा करते हैं, अगर रेल ठप्प होती है तो मुम्बई का सारा जनजीवन ठप्प हो जाता है। कल से सारी लोकल-ट्रेनें बंद हैं, मुम्बई ठप्प हो चुकी है और मुम्बई में किसी भी समय दंगा भड़कने की संभावना है। लोग सड़क पर उतर रहे हैं और रेल मंत्रालय खामोश है।

महोदया, वहां एस्मा लगाया गया है और बीस मोटरमैन को टर्मिनेट किया गया है, गिरफ्तार किया गया है।

अध्यक्ष महोदया : आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री अनंत गंगाराम गीते : मुम्बई का जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। इसकी सारी जिम्मेदारी रेल मंत्रालय की है। इस हड़ताल को रोकने के लिए यदि रेल मंत्री सदन में उपस्थित नहीं हैं, यह भारत सरकार की कोलेक्टिव रिस्पोंसीबिलिटी है कि जो कामगार संगठन हड़ताल पर हैं, उनसे संसदीय कार्य मंत्री अपील करें और उनसे चर्चा करें। आतंकवादियों से चर्चा की जा सकती है, तो क्या इन कामगार संगठनों से चर्चा नहीं की जा सकती है।

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाएं।

श्री अनंत गंगाराम गीते : महोदया, मैं आखिरी वाक्य बोलने जा रहा हूं। सदन की तरफ से संसदीय कार्य मंत्री कामगार संगठन के नेताओं से चर्चा करके हड़ताल खत्म करने की अपील करें और इस समस्या का हल निकालें। हम भी मोटरमैन से अपील करते हैं, वे इस बारे में पुनर्विचार करें, जिससे कि मुम्बई की जनता के साथ खिलवाड़ न हो और रेल यात्रा शुरू हो।

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): महोदया, आपने मुझे मुम्बई के ज्वलंत विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मुम्बई में पिछले 24 घंटे से जो हड़ताल चल रही है, वह 1974 के बाद से मोटरमैन की सबसे बड़ी हड़ताल है। यह हड़ताल एकदम अचानक नहीं हुई है। पिछले छह महीने से मोटरमैन यूनीयन के सदस्य रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय के पास अपना निवेदन भेज रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। रेलवे बोर्ड ने कहा कि हम एक समिति बनाएंगे और 15 अप्रैल तक उस कमेटी की रिपोर्ट आएगी, लेकिन अभी तक वह कमेटी नहीं बनाई गई है।

मोटरमैन की मांग बहुत बड़ी मांग नहीं है। उनकी मांग सिर्फ इतनी है कि उन्हें ओवर टाइम मिलना चाहिए। मोटरमैन दफ्तर में टेबल या कुर्सी पर बैठने वाला व्यक्ति नहीं है, वह इंजन चलाता है और 24 घंटे चलाता है। अगर उसकी यह मांग है कि छह या आठ घंटे के अतिरिक्त अगर वह ट्रेन चलाता है, तो उसे ओवर टाइम मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि उनकी यह मांग बिलकुल वाजिब है। मैं उनकी इस मांग का समर्थन करता हूं। मैं सरकार और संसदीय कार्य मंत्री से मांग करूंगा कि यह ऐसा विषय नहीं है कि आप इस विषय को टालें और कहें कि दोपहर के बाद स्टेटमेंट देंगे। हर मिनट वहां से ट्रेन छूटती है। लाखों लोग रास्ते पर हैं। जो घर पर हैं वे कार्यालय नहीं जा पा रहे हैं और जो कार्यालय में हैं वे लौट कर घर नहीं जा पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस विषय को इन टर्म्स आफ मिनट, इन टर्म्स आफ सैकेंड के तौर पर सोल्व करना चाहिए, क्योंकि यह हड़ताल इनडेफिनेट है।

महोदया, यह बात भी महत्वपूर्ण नहीं है कि यह यूनीयन रिकोग्नाइज्ड है या नहीं है। जिस यूनीयन ने मुम्बई के पूरे लोकल सिस्टम को कोलेप्स कर दिया, उसके लिए रिकोग्नाइज्ड होने का कोई अर्थ नहीं है या अनरिकोग्नाइज्ड होने का कोई अर्थ नहीं है। उनकी ताकत को रेल मंत्रालय सलाम करे और जितनी जल्दी हो इस हड़ताल को समाप्त कराए।

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): अध्यक्ष महोदया, मुम्बई में लोकल ट्रेन बंद होने से वहां की लॉ एंड आर्डर सिचुएशन आउट आफ कंट्रोल हो चुकी है। लोग सड़कों पर फंसे हैं और रेलवे स्टेशंस पर भी फंसे हैं। अगर अभी भी ट्रेन्स शुरू करने में देरी लगेगी, तो बहुत गंभीर स्थिति का निर्माण हो सकता है।

महोदया, मैंने रेल मंत्री जी को खत लिखा था कि इन्हें समय दीजिए। इन्होंने 26 जनवरी को हड़ताल का नोटिस दिया था, वह नोटिस इन्होंने वापिस लिया क्योंकि इन्हें कहा गया कि एक महीने में रिपोर्ट आएगी और आपसे बातचीत की जाएगी। लेकिन यूनीयन से किसी प्रकार की बातचीत नहीं की गई। परसों दो तारीख को उन्होंने हंगर स्ट्राइक पर भूखे रहकर ट्रेन चलाई, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। अब मोटरमैन द्वारा रेल बंद करने के कारण उन पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। उनको गिरफ्तार किया गया और सस्पेंड किया गया। इससे यह मामला हल होने वाला नहीं है। मुम्बई की लाइफ लाइन लोकल ट्रेन्स हैं। यह मुद्दा बहुत गंभीर है। आज सरकार सोई हुई है। रेलवे मंत्री जी को यहां स्टेटमेंट देनी चाहिए थी और यूनीयन को अपील करके उनके सवाल हल करने चाहिए तथा लोकल ट्रेन्स जल्दी शुरू करने की अपील करनी चाहिए।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Under the leadership of the All India Local Running Staff Association, throughout the country, motormen and running staff are on hunger strike. In Delhi also, I attended and inaugurated their *dharna* and in Mumbai, suburban train service in Mumbai is the lifeline. They are on hunger strike; their grievances are not being addressed; there has been injustice to motormen, assistant motormen. ...(*Interruptions*) They have been agitating for one year. ...(*Interruptions*) A Fast Track Committee was constituted. That Fast Tra ck Committee was to submit its report by 15th of April. That Committee has not yet submitted its report and the Ministry of Railways has done nothing to mitigate the grievances of running staff and motormen; moreover, when they are on the path of agitation, they are being sacked. They are being dismissed from service. I demand that the Government should immediately assure the House that normalcy would be restored. ...(*Interruptions*) The ESMA which has been imposed should be withdrawn, and the motormen who have been dismissed from service and sacked, they should be taken back. ...(*Interruptions*) Their dismissal orders should be revoked. ...(*Interruptions*)

डॉ. संजीव गणेश नाईक (ठाणे): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं सदन और सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि मुंबई में करीब 65 लाख से ज्यादा लोगों का रेल से आना जाना होता है। कल रात को ऐसी हालत हुई कि खास तौर से महिलाओं को प्लेटफार्म पर सोना पड़ा है और वे घर नहीं जा पाई। माननीय रेल मंत्री जी स्वयं चाहती हैं कि यह बात जल्दी से जल्दी खत्म हो। मैं सरकार से विनती करता हूं कि यह बात आज शाम तक खत्म हो। मेरे ख्याल से सरकार भी इस बात में व्यथित है, आदरणीय पवार जी ने भी माननीय प्रधानमंत्री जी से बात की है और हमारे चीफ मिनिस्टर भी आए थे। मैं सरकार से विनती करूंगा कि इस संबंध में आज ही जल्द से जल्द कुछ करे और मुंबईवासियों को राहत दिलाए।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): About the inconvenience caused to Mumbai people, I have full sympathy. Mumbai people are in serious difficulty but that is not the issue. I would like to know from the Government as to who has been given the orders for imposing ESMA. ESMA is a draconian law. Who has given the orders? Is it the Railway Ministry or the Home Ministry or the Government of India? ESMA will not be tolerated. The Government must know.

Secondly, who has given the orders for the retrenchment. I am warning the Government, if the Government wants to deal with the workers by imposing ESMA and by retrenching the workers, it will have to face the united struggle of all the trade unions of the country and it would be bad for the Government. Madam, I demand withdrawal of ESMA; I demand retrenchment order should be withdrawn. I demand negotiations should be started.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, a few days back, on Friday last, hon. Member, Shri Anant Geete raised this issue on the floor of the House. I was present at that time in the House and I also drew the attention of the hon. Railway Minister. She was good enough; she called Shri Anandrao Adsul, possibly the Chief Whip of the Shiv Sena Parliamentary Party; she held the discussion at the Rail Bhawan for long two hours together. The outcome of the discussion was this. Their demand was that a meeting should be held between them; and a message should reach those who are in that movement, that the Ministry was willing to interact with them. What I heard was this – the Member (Staff) Mr. Sahai has been deputed to negotiate with them and a four-member committee has been set up. What I am hearing today is that the committee is not interacting with the people – who are in the moment.

Today is the last day for filing of nomination papers in the Municipal and Corporation elections in Bengal and in Kolkata. Naturally, the Minister can be communicated and conveyed the sentiments and the feelings of the House. She can come and she can respond to the sentiments. It is not that out of political thing, it is happening. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Hon. Minister wants to speak now. Please listen to the Minister. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I have not finished. Let mefinish. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please conclude. Hon. Minister wants to speak.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : मुंडे जी, आप लोग बोल चुके हैं, अब आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जब आप बोल चुके हैं तो कृपया बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुदीप बंदोपाध्याय : मैडम, जो कम्युनल राइट की बात यहां श्री अनन्त गीते जी लाये हैं, यह बात पूरी तरह से गलत है। शिवसेना कम्युनल राइट की बात नहीं करेगी तो क्या कोई अन्य पार्टी वहां कम्युनल राइट की बात करेगी। They are saying that. We believe that if the Minister can be contacted, she will positively respond to those who are in the movement.. ...(व्यवधान)

श्री आनंदराव अडसुल (अमरावती): मैडम, मुझे दो मिनट बोलने दें। यहां एक यूनियन नहीं है, चार यूनियनों की इस स्ट्राइक में एक ज्वाइंट एक्शन कमेटी है। एक कमेटी ने 26, जनवरी को स्ट्राइक करने का नोटिस दिया था, तब मैंने मध्यस्थता की थी। जब वहां रेल मिनिस्ट्री के लोग उपस्थित नहीं थे तो मैं गोयल जी, मैम्बर (स्टाफ) को मिला था और उन्हें इसकी सीरियसनैस बताई थी कि यदि 26 तारीख को स्ट्राइक होती है तो ठीक नहीं है। मैं मुम्बई में था, उन्होंने मुझे दिल्ली बुलाया था। मैं अपने साथियों को साथ लेकर यहां आया और मैंने उनके साथ बात की। फिर उन्होंने एक कमेटी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप समाप्त करिये। आपकी बात हो गई, अब आप समाप्त करिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने अपना क्लेरिफिकेशन दे दिया। अब आप समाप्त करिये।

श्री आनंदराव अडसुल : मैडम, केवल दो मिनट की बात है।

अध्यक्ष महोदया : आपके लीडर बोल चुके हैं।

श्री आनंदराव अडसुल : इसमें मिनिस्ट्री की प्रॉब्लम क्या है, जरा सुनिये। तभी उन्होंने एक कमेटी के गठन करने का ऐलान किया और दो महीने में निर्णय देने की बात की। लेकिन जब तीन महीने हो गये और निर्णय नहीं हुआ...(व्यवधान) तो इन चारों ने हंगर स्ट्राइक का नोटिस इन चारों यूनियंस ने एक्शन कमेटी के माध्यम से दे दिया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री लालू प्रसाद जी, आप बोलिये।

श्री आनंदराव अडसुल : हमारे नेता गीते जी ने फ्लाइड को यह सवाल उठाया। यह स्ट्राइक नहीं होती, अगर रेलवे मिनिस्ट्री सीरियस होती।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात पूरी हो गई है, अब आप बैठिये। अब आप समाप्त करिये। लालू जी, आप बोलिये।

श्री आनंदराव अडसुल : मैडम, सिर्फ दो मिनट बोलने दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : दो मिनट नहीं मिलेंगे, अब आप बैठ जाइये। आपकी बात पूरी हो चुकी है, आप बोल चुके हैं, आपने समझा दिया। सब लोग समझ गये हैं। अब आप समाप्त कीजिए और अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

श्री आनंदराव अडसुल : सदन को सुनने दीजिए कि हकीकत क्या है।

अध्यक्ष महोदया : अडसूल जी, आपका हो गया, सब समझ गये। अब आप बैठ जाइये। बहुत गम्भीर विषय है, सब समझ रहे हैं। अब आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Kindly sit down.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Only what Shri Lalu Prasad is saying will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : अडसूल जी, अब आपका रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है। आप बैठिये। Nothing, except what Shri Lalu Prasad says, will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : लालू प्रसाद जी,अब आप बोलिये।

श्री लालू प्रसाद (सारण): अध्यक्ष महोदया, यह मुम्बई के लिए लाईफ लाइन है, हम लोग इसका समर्थन करते हैं. इसमें कोई पार्टी पौलिटिक्स नहीं है। पूरे देश के गरीब लोग वहीं रहते हैं, सब का आना जाना रहता है और रेल ही सस्ती सवारी है। रेल में घाटा रहने के बावजूद हमने भाड़ा कम किया था और वही लाईफ लाईन है। कोई रॉयट्ज़ की बात उन्होंने नहीं की है, पीपल्स का लॉ एंड ऑर्डर बिलकुल बिगड़ जायेगा। यह हिन्दू-मुस्लिम के कम्युनल होने की बात नहीं है। मेरे समय में भी हड़ताल हुई थी, यही लोग किये थे लेकिन हमने बात की थी और दो मिनट में उन लोगों ने हड़ताल वापस ले लिया था, आप सब लोग जानते हैं।

अध्यक्ष महोदया, उनका मूल डिमांड यह है कि हम रात-दिन ड्यूटी करते हैं, जान जोखिम में डालते हैं। एक्सिट्रज़्म इंसीडेंट हुआ, उसमें भी मारे जाते, उससे तंग और तबाही होती। उन्हें ओवर टाईम दिये जाने के अलावा मूल बात यह है कि हमें ड्राइवर का स्केल मिलना चाहिये कि हम ड्राइवर हैं, गाड़ी चलाते हैं। इसलिये हम सदन के सब पार्टियों के लोग उन कर्मचारियों के साथ हैं। जनता की कठिनाई को ध्यान में रखते हुये हम लोग उन से अपील करते हैं कि वे अपनी हड़ताल वापस ले लें। जैसा ही ममता जी को मौका मिले, यहां आ जायें और सरकार उनसे बात करें और हड़ताल को खत्म कराईये। एसमा हटाईये, डैस्ट्रक्टिव एटिट्यूट नहीं अपनाईये।

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने एक लोक महत्व के तात्कालिक सवाल पर मुझे बोलने का मौका दिया। पूरे देश में लाखों पद सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में खाली पड़े हुये हैं। वहां एक भी डाक्टर नहीं है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रेवती रमन सिंह जी,यह मामला बाद में उठाइयेगा। अभी माननीय मंत्री संसदीय कार्य कुछ बोल रहे हैं। अभी आप बैठ जाइये। यह मामला आप शून्य प्रहर में उठाइयेगा।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. You have taken up another matter.

...(*Interruptions*)

.अध्यक्ष **महोदया :** संजय निरूपम जी, आप बोल लिये हैं, अब आप बैठ जाइये। मि. मिनिस्टर।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam, for the first time in this regard any notice for suspension of Question Hour, by any hon. Member, was given today morning. As I have submitted earlier, I would like to reiterate, the hon. Minister of Railways is presently not in Delhi. Immediately after this I would get in touch with her and at the earliest possible opportunity I would try to ensure that on this matter a Statement is made in this House.

My most earnest request to the hon. Members would be, since some of the hon. Members can influence the people who are on strike and they are also aware of the repercussions of all that is happening there - the way traffic has been paralysed and the people are suffering - to have some influence on them and wait till the time the hon. Minister makes a Statement....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : यह आप क्या कर रहे हैं? ऐसा न करिये। Please maintain order in the House.

...(*Interruptions*)

12.31 hrs.

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)